

# ATULIYA SEVA SANATHAN INTERNATIONAL FOUNDATION

## सनातन जागृति अभियान — आधिकारिक संकल्प पत्र एवं नियमावली

"हमारी संस्था धर्म के क्षेत्र से लेकर व्यापार और सामाजिक उत्थान के सभी क्षेत्रों में संपूर्ण समाज को एकजुट करने हेतु संकल्पित है।"

### भाग १: समाज और राष्ट्र के प्रति हमारा उत्तरदायित्व

#### १. सनातन जागृति अभियान समाज को क्या प्रदान करेगा?

यह अभियान समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एक मजबूत नींव तैयार कर रहा है। समाज को इससे निम्नलिखित मुख्य लाभ प्राप्त होंगे:

- सांस्कृतिक चेतना का पुनरुत्थान:** आधुनिकता की दौड़ में लुप्त हो रहे सनातन संस्कारों, वेदों के व्यावहारिक ज्ञान और गौरवशाली इतिहास से समाज की युवा पीढ़ी को पुनः जोड़ना।
- जातिगत भेदभाव से मुक्ति:** 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'सब सनातनी एक' के भाव को धरातल पर उतारकर समाज को आंतरिक रूप से संगठित और समरस बनाना।
- आर्थिक आत्मनिर्भरता (स्वदेशी व्यापार):** समाज के भीतर एक ऐसा आत्मनिर्भर तंत्र बनाना, जिससे हमारे धन का प्रवाह अपनों के बीच ही रहे और विदेशी या अधर्मी शक्तियों को आर्थिक बल न मिले।
- सामाजिक सुरक्षा कवच:** समाज के निर्धन, मेधावी छात्रों को शिक्षा और जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान कर एक सशक्त और संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा ढांचा खड़ा करना।

#### २. धर्म और व्यापार का अद्भुत समन्वय

हमारी संस्था यह मानती है कि धर्म के बिना व्यापार अंधा है और आर्थिक रूप से कमजोर समाज अपने धर्म की रक्षा नहीं कर सकता। इसलिए हम दोनों क्षेत्रों में समानांतर कार्य कर रहे हैं:

- धर्म का क्षेत्र:** मंदिरों का जीर्णोद्धार, नियमित धार्मिक विमर्श, सामूहिक उत्सव, और धर्म के विरुद्ध दुष्प्रचार करने वाली ताकतों के खिलाफ कानून के दायरे में आकर दृढ़ता से आवाज उठाना।
- व्यापार का क्षेत्र:** सनातनी व्यापारियों का एक वैश्विक डिजिटल व भौतिक नेटवर्क तैयार करना, जहाँ बिजनेस-टू-बिजनेस (B2B) और बिजनेस-टू-कंज्यूमर (B2C) के तहत आपसी लेनदेन को अनिवार्य प्राथमिकता दी जाए।

[ कृपया पृष्ठ पलटें — भाग २ पृष्ठ के दूसरी ओर अंकित है ]

# ATULIYA SEVA SANATHAN INTERNATIONAL FOUNDATION

सनातन जागृति अभियान — व्यक्तिगत निर्णय और भविष्य की रूपरेखा

## भाग २: व्यक्तिगत आत्ममंथन (लाभ बनाम दूरगामी नुकसान)

संगठन की शक्ति ही समाज की शक्ति होती है। इस अभियान का हिस्सा बनना केवल एक सदस्यता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का निवेश है।

### 🏆 जुड़ने से आपको क्या लाभ होंगे?

- **व्यापार में त्वरित वृद्धि:** आपको विज्ञापन पर बिना खर्च किए हजारों सनातनी ग्राहकों का एक रेडीमेड और निष्ठावान नेटवर्क मिलता है, जो आपके व्यापार को प्राथमिकता देगा।
- **पारिवारिक संस्कार सुरक्षा:** आपके बच्चों को पाश्चात्य कुसंस्कारों से बचाने के लिए योग, आयुर्वेद और सनातन मूल्यों का एक जीवंत माहौल प्राप्त होगा।
- **प्रतिष्ठा और प्रभाव:** संस्था के माध्यम से बड़े स्तर पर किए जाने वाले सामाजिक और धार्मिक कार्यों का हिस्सा बनकर समाज में आपकी एक विशिष्ट पहचान बनेगी।

### ⚠️ न जुड़ने से भविष्य में क्या नुकसान होंगे?

- **सामाजिक कार्यों से दूरी:** भविष्य में समाज के बड़े सेवा प्रकल्पों, शिक्षा-चिकित्सा अभियानों और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से आप अनजाने में ही पूरी तरह अलग (चूक) हो जाएंगे।
- **धार्मिक आयोजनों से विमुखता:** जब समाज बड़े स्तर पर संगठित होकर सनातन उत्सवों और सांस्कृतिक क्रांतियों का नेतृत्व करेगा, तब आप एक मूक दर्शक मात्र बनकर रह जाएंगे।
- **संकट में पूर्णतः अकेले पड़ जाना: सबसे गंभीर विषय!** आज के अनिश्चित युग में यदि आपके व्यापार या परिवार पर कोई संकट (कानूनी, आर्थिक या सामाजिक) आता है, तो संगठित शक्ति के अभाव में आपको अकेले ही लड़ना होगा।

### 🎯 अंतिम निष्कर्ष एवं आह्वान

इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज बिखरा रहा, तब-तब उसे दबाया गया। आज व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और सांस्कृतिक संकट के इस दौर में **\*\*अतुल्य सेवा सनातन इंटरनेशनल फाउंडेशन\*\*** आपको एक मंच पर आकर सशक्त होने का निमंत्रण दे रहा है। अकेले रहकर हम सिर्फ अपनी चिंता कर सकते हैं, लेकिन संगठित होकर हम अपने धर्म, व्यापार और संपूर्ण समाज की नियति बदल सकते हैं।

**"संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्" — आज ही इस पावन अभियान से जुड़ें और अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।**

# ATULIYA SEVA SANATHAN INTERNATIONAL FOUNDATION


## सनातन जागृति अभियान — आधिकारिक संकल्प पत्र एवं नियमावली


"हमारी संस्था धर्म के क्षेत्र से लेकर व्यापार और सामाजिक उत्थान के सभी क्षेत्रों में संपूर्ण समाज को एकजुट करने हेतु संकल्पित है।"

### भाग १: संगठन का स्वरूप, उद्देश्य एवं गौरवशाली उपाधियाँ

#### १. हमारी पहचान: 'सनातन वीर' एवं 'सनातनी वीरांगना'

इस अभियान से जुड़ने वाले प्रत्येक सदस्य को संगठन द्वारा उनके समर्पण और राष्ट्र-धर्म के प्रति निष्ठा के लिए विशेष गौरवशाली पहचान दी जाएगी:

 अभियान से जुड़ने वाले हमारे भाई 'सनातन वीर' कहलाएंगे।

 अभियान से जुड़ने वाली हमारी मातृशक्ति व बहनें 'सनातनी वीरांगना' नाम से जानी जाएंगी।

#### २. हमारा मुख्य लक्ष्य: 'अभेद्य सनातनी संगठन' का निर्माण

हमारा परम उद्देश्य सभी सनातनी जनों को एक सूत्र में पिरोकर एक ऐसा शक्तिशाली और अटूट "सनातनी सर्कल" (संगठनात्मक घेरा) बनाना है, जिसके माध्यम से:

- असामाजिक तत्वों से मुकाबला:** समाज में अस्थिरता, भय या वैमनस्य फैलाने वाले सभी असामाजिक तत्वों के विरुद्ध हम सब मिलकर पूरी शक्ति से वैधानिक व सामाजिक लड़ाई लड़ सकें।
- सदैव अपनों का साथ:** संकट की घड़ी में प्रत्येक सनातनी भाई-बहन के साथ चट्टान की तरह खड़े रहकर उनका संबल बनना और न्याय दिलाना।

#### ३. संगठनात्मक ढांचा: वार्ड से लेकर देश स्तर तक

अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए कार्यप्रणाली को निम्नलिखित स्तरों पर पूरी सुचारू व्यवस्था के साथ संचालित किया जाएगा:

**स्तर १** वार्ड स्तर (Ward Level) — स्थानीय स्तर पर सनातनी परिवारों को जोड़ना।

**स्तर २** ब्लॉक स्तर (Block Level) — वार्डों के बीच समन्वय और स्थानीय समस्याओं का निवारण।

**स्तर ३** जिला स्तर (District Level) — जिला स्तर पर व्यावसायिक एवं सामाजिक गतिविधियों का संचालन।

**स्तर ४** संभाग स्तर (Divisional Level) — क्षेत्रीय स्तर पर बड़े सांस्कृतिक आयोजनों की रूपरेखा।

**स्तर ५ प्रदेश स्तर (State Level)** — राज्य स्तर पर नीति निर्धारण और संगठन का विस्तार।

**स्तर ६ देश स्तर (National Level)** — राष्ट्रीय स्तर पर अखंड भारत की चेतना और केंद्रीय नेतृत्व।

---

[ कृपया पृष्ठ पलटें — भाग २ पृष्ठ के दूसरी ओर अंकित है ]